हरिभूमि
सीहोर भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, शनिवार 21 मार्च 2026

04 रेलवे कार्य की आड़ में मिट्टी का खेल डंपर ब्लास्ट से...

07 घटस्थापना, महाआरती और विशेष श्रृंगार के...

खबर संक्षेप

सूखा राहत प्रकोष्ठ कंट्रोल रूम स्थापित

सीहोर। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा ग्रीष्म काल में पेयजल समस्याओं की सूचना प्राप्त करने, संबंधितों को सूचनायें प्रेषित करने, प्राप्त सूचनाओं पर की गई कार्यवाही का विवरण संकलित करने एंव ग्रामीण पेयजल व्यवस्था की मॉनिटरिंग से संबंधित समस्त आवश्यक जानकारी संकलित करने के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के खण्ड सीहोर एवं उपखण्डों के अंतर्गत सूखा राहत प्रकोष्ठ कन्ट्रोल रूम का गठन किया गया है।

निजी फीजियोथेरेपी केंद्रों का पंजीयन अनिवार्य

सीहोर। निजी फीजियोथेरेपी केन्द्रो को अपना पंजीयन कराना अनिवार्य हो गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुधीर कुमार डेहरिया ने गत दिवस बताया कि शासन निर्देशानुसार अब निजी नर्सिंग होम एवं क्लिनिकल स्टेब्लिशमेंट का विनिमय म.प्र. उपचार्यगृह तथा रजोपचार्य संबंधी स्थापनाये (रजिस्ट्रीकरण तथा अनुज्ञापन) अधिनियम 1973 तथा नियम 1997 (यथा संशोधित) 2021 के स्थापित प्रावधान अनुसार समस्त फीजियोथेरेपिस्ट को अधिनियम की धारा 2 में क्लिनिकल स्टेब्लिशमेंट को परिभाषित किया गया हैं।

आधी रात बरसे बदरा, दोपहर में भी हुई बूंदाबांदी, ओलावृष्टि और आंधी का अलर्ट जारी

मौसम का यू-टर्नः झमाझम बारिश से तपन तो घटी खेतों में कटी पड़ी फसल भीगी, किसानों की बढ़ी चिंता

खले में रखा कटा हुआ गहूं हुआ गीला, थ्रेशर मशीन संचालकों ने निकालने से किया मना

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

पिछले कुछ दिनों से सूरज के तीखे तेवरों और भीषण गर्मी से जूझ रहे जिला मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में मौसम ने अचानक करवट बदल ली है। गुरुवार और शुक्रवार की दरम्यानी रात हुई झमाझम बारिश ने जहां आम लोगों को उमस और तपिश से बड़ी राहत दी, वहीं खेतों में तैयार खड़ी फसलों को लेकर किसानों की धडक़नें बढ़ा दी हैं। बेमौसम की इस बरसात ने किसानों के लिए राहत से ज्यादा आफत के संकेत दे दिए हैं। इधर कई किसानों की गेहूं की कटी फसल खले में रखी है, जो बीती पानी से भींग गई। नतीजतन थ्रेशर संचालकों ने गीली गेहूं की फसल निकलने से साफ मना कर दिया।

बता दें जिले में गुरुवार रात करीब 12.45 बजे अचानक बादलों की गर्जना के साथ तेज बारिश का दौर शुरू हुआ, जो लगभग आधे घंटे तक अनवरत जारी रहा। इस मूसलाधार बारिश से वातावरण में ठंडक घुल गई और न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। रात की बारिश के बाद शुक्रवार दोपहर में भी आसमान में बादलों का डेरा रहा और रुक-रुक कर बूंदाबांदी होती रही, जिससे शहरवासियों को तो गर्मी से सुकून मिला, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में चिंता का माहौल व्याप्त हो गया।

किसान परेशान, पकी फसल पर संकट : वर्तमान में सीहोर जिले के अधिकांश हिस्सों में गेहूं और चने की फसलें

पककर पूरी तरह तैयार हैं। कई स्थानों पर कटाई का कार्य शुरू हो चुका है तो कहीं फसलें कटकर खेतों में ही रखी हैं। तेज हवा और बारिश के कारण खड़ी फसलें जमीन पर बिछने की आशंका है, जिससे दाना काला पड़ सकता है और चमक कम हो सकती है। किसानों के अनुसार यदि बारिश का दौर जारी रहता है तो अनाज की गुणवत्ता प्रभावित होगी, जिससे किसानों को मंडियों में उचित दाम मिलना मुश्किल हो जाएगा। किसानों का कहना है कि साल भर की मेहनत इस बेमौसम बारिश की भेंट चढ़ सकती है। किसान महेश यादव ने बताया कि फसल काटकर खले में रखी थी, लेकिन बीती रात हुई बारिश से वह गीली हो गई, इधर थ्रेशर मशीन संचालकों ने भी गीली हुई उपज को निकालने से मना कर दिया है।

साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार मध्य प्रदेश के ऊपर एक शक्तिशाली साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन सक्रिय है। यह सिस्टम ठीक प्रदेश के मध्य भाग में बना हुआ है। इसी हलचल के कारण नमी आ रही है और पिछले दो दिनों से प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में ओलावृष्टि, बारिश और आंधी का दौर चल रहा है। बीती रात हुई बारिश इसी सिस्टम का परिणाम है।

अगले 24 घंटे की चेतावनी

मौसम विभाग ने आगामी 24 घंटों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार अगले एक-दो दिनों तक जिले में बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। इस दौरान तेज आंधी चलने और कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की भी संभावना है। प्रशासन ने भी किसानों को अपनी कटी हुई फसल सुरक्षित स्थानों पर रखने या तिरपाल आदि से ढंकने की सलाह दी है।

सांदीपनि विद्यालयों को अस्तित्व में लाने का शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने विरोध किया

सीहोर। जिले में संचालित सांदीपनी (सीएम राइज) विद्यालयों के आसपास के ग्रामीण एवं शहरी विद्यालयों को बंद करने की प्रक्रिया का शिक्षक संयुक्त मोर्चे कड़ा विरोध किया है। इस संबंध में मोर्चा द्वारा स्थानीय विधायक सुदेश राय को ज्ञापन सौंपकर तत्काल कार्रवाई रोकने की मांग की गई है। विधायक सुदेश राय ने आश्वासन दिया कि इस संबंध में बच्चों की शिक्षा एवं शिक्षकों दोनों का ध्यान रखा जाएगा।

मोर्चे ने बताया कि विभाग द्वारा सीएम राइज विद्यालयों को उनके नवीन भवनों में संचालित करने के निर्देश दिए जा रहे हैं, जिसके चलते आसपास के कई विद्यालयों को उनमें सम्मिलित करने की कार्यवाही की जा रही है। इससे शिक्षा व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका जताई गई है।

मोर्चे के पदाधिकारियों का कहना है कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के अनुसार प्रत्येक 1 किलोमीटर पर प्राथमिक एवं 3 किलोमीटर पर माध्यमिक विद्यालय का प्रावधान है, लेकिन

वर्तमान प्रक्रिया इन नियमों का उल्लंघन कर रही है। उन्होंने यह भी बताया कि कई स्थानीय विद्यालयों को बंद करने की स्थिति बन रही है, जिससे विशेषकर गरीब एवं ग्रामीण बच्चों की शिक्षा प्रभावित होगी और शाला त्याग (ड्रॉपआउट) की संख्या बढ़ सकती है। मोर्चे ने यह चिंता भी जताई कि छोटे बच्चों को साथ लेकर विद्यालय आने वाले विद्यार्थियों के लिए दूरी बढ़ने से पढ़ाई छोड़ने की मजबूरी बन सकती है। साथ ही बालिका शिक्षा पर भी इसका गंभीर असर पड़ सकता है।

केवल सांदीपनी विद्यालयों को बढ़ावा देने के नाम पर अन्य विद्यालयों का अस्तित्व समाप्त करना उचित नहीं है।पूर्व से अच्छे से संचालित स्कूल को भी बंद करने की कवायद की जा रही है, जो शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 पूर्ण कर रहे हैं। संयुक्त मोर्चे शिक्षक संघ ने इस पूरी प्रक्रिया को "तुगलकी आदेश" बताते हुए शासन से तत्काल बंद की कार्यवाही रोकने और सभी विद्यालयों को यथावत संचालित रखने की मांग की है। इस अवसर पर शिक्षक कर्मचारी संयुक्त मोर्चे के सतीश त्यागी, संजय सक्सेना, प्रदीप नागिया , बद्री प्रसाद मालवीय, राजेंद्र परमार, दिवाकर सिंह, कुंदन राय, विनोद उपाध्याय, विश्व जीत त्यागी, मुकेश कुशवाह,अर्जुन सिंह, जागेश्वर भगत,बद्रीप्रसाद वर्मा, सवाई सिंह परिहार,हेमंत मालवीय, राजेश तिवारी, नरेश मेवाड़ा, चंदर वर्मा, शैलेन्द्र चौहान शर्मा उपस्थित रहे।

नवरात्रि के तीसरे दिन आज मां चंद्रघंटा का दिव्य अनुष्ठान किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

इस साल भी नवरात्रि के पावन अवसर पर शहर के विश्रामघाट स्थित मरीह माता मंदिर में आस्था और उत्साह के साथ पर्व मनाया जा रहा है। यहां पर उपस्थित सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने दूसरे दिन मां के दूसरे स्वरूप माता ब्रह्मचारिणी की पूजा-अर्चना की। यहां पर सुबह हवन के पश्चात आरती की गई। वहीं पांच दर्जन से अधिक कन्याओं को भोजन के पैकेटों का वितरण किया। उक्त आयोजन मंदिर के व्यवस्थापक गोविन्द रोहित मेवाड़ा, पंडित उमेश दुबे, जितेन्द्र तिवारी, पंडित पवन व्यास, अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिषाचार्य पंडित गणेश शर्मा, हर्ष नामदवे और आयुष गुप्ता सहित अन्य के द्वारा किया जा रहा है। वहीं सुबह हवन और आरती का आयोजन किया गया। आगामी 27 मार्च को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

संस्कार मंच के संयोजक मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि मां दुर्गा की नवशक्ति का दूसरा स्वरूप ब्रह्मचारिणी का है। यहां ब्रह्म का अर्थ तपस्या से है। मां दुर्गा का यह स्वरूप भक्तों और सिद्धों को अनंत फल देने वाला है। इनकी उपासना से तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार और संयम की वृद्धि होती है। ब्रह्मचारिणी का अर्थ तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। देवी का यह रूप पूर्ण ज्योतिर्मय और अत्यंत भव्य है। इस देवी के दाएं हाथ में जप की माला है और बाएं हाथ में यह कमण्डल धारण किए हैं। पूर्वजन्म में इस देवी ने हिमालय के घर पुत्री रूप में जन्म लिया था और नारदजी के उपदेश से भगवान शंकर को पति रूप में प्राप्त करने के लिए घोर तपस्या की थी।

इस कठिन तपस्या के कारण इन्हें तपश्चारिणी अर्थात ब्रह्मचारिणी नाम से अभिहित किया गया। लंबे समय तक इन्होंने केवल फल-फूल खाकर बिताए और सौ वर्षों तक केवल जमीन पर रहकर शाक पर निर्वाह किया। कुछ दिनों तक कठिन उपवास रखे और खुले आकाश के नीचे वर्षा और धूप के घोर कष्ट सहे। तीन हजार वर्षों तक टूटे हुए बिल्व पत्र खाए और भगवान शंकर की आराधना करती रहीं।

गेहूं के खेत में लगी आग फसल जलकर खाक हुई

सीहोर। जिले के थाना बिलकिसगंज अंतर्गत आने वाले ग्राम बारवाखेड़ी में एक किसान की साल भर की मेहनत चंद मिनटों में जलकर खाक हो गई। देर रात खेत में खड़ी गेहूं की फसल में अचानक भीषण आग लग गई, जिससे करीब 2.5 एकड़ में फैली फसल पूरी तरह नष्ट हो गई है। पीड़ित किसान ने थाने पहुंचकर मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस ने आगजनी का प्रकरण कायम कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कुलास कला निवासी बुजुर्ग किसान प्रेम नारायण शर्मा ने बताया कि उनकी ग्राम बारवाखेड़ी में करीब 4 एकड़ कृषि भूमि है। इस भूमि पर उन्होंने और उनके परिवार ने मेहनत कर गेहूं की फसल उगाई थी। बीती 18 मार्च की तड़के करीब 3 से 4 बजे के बीच गांव के ही एक व्यक्ति ने उनके बेटे अरुण शर्मा को फोन कर सूचना दी कि उनके खेत में भीषण आग लगी है।

ट्रैक्टर की मदद से बुझाई आग

सूचना मिलते ही प्रेम नारायण अपने बेटों अरुण और जगदीश के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। वहां उन्होंने देखा कि गेहूं की खड़ी फसल आग की लपटों से घिरी हुई है और ग्रामीण उसे बुझाने का प्रयास कर रहे हैं। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि उन पर काबू पाना मुश्किल हो रहा था। अंततः ट्रैक्टर की मदद से फसल के बीच में मिट्टी की मेढ़ बनाई गई ताकि आग आगे न फैले। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

सवा लाख का आर्थिक नुकसान

पीड़ित किसान के मुताबिक इस आगजनी में उनकी लगभग 2.5 एकड़ जमीन पर खड़ी फसल पूरी तरह जल गई है। अनुमान के तौर पर करीब 50 क्विंटल गेहूं का नुकसान हुआ है, जिसकी बाजार कीमत लगभग सवा लाख रुपये आंकी गई है। अचानक हुए इस नुकसान से किसान परिवार सदमे में है।

पुलिस जांच में जुटी

घटना के बाद पीड़ित ने थाने पहुंचकर जुबानी रिपोर्ट दर्ज कराई। बिलकिसगंज पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर आगजनी का प्रकरण कायम कर लिया है। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी या इसके पीछे कोई अन्य कारण था।

स्कूल की बिल्डिंग दिखाकर यूनिवर्सिटी की मान्यता लेने का मामला

कलेक्टर के निर्देश बेअसरः मौखिक आदेशों के खेल में उलझ गया फर्जीवाड़े का मामला

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

स्कूल की बिल्डिंग दिखाकर यूनिवर्सिटी की मान्यता लेने के मामले में श्यामपुर स्थित आर्यावर्त विश्व विद्यालय की जांच का मामला ठंडे बस्ते में जाता दिख रहा है। कलेक्टर द्वारा गठित 13 सदस्यीय विशाल जांच टीम की कार्रवाई अचानक रुक गई है। हैरान करने वाली बात यह है कि लिखित आदेशों पर 'मौखिक निर्देशों' का ग्रहण लग गया है, जिससे पूरी जांच प्रक्रिया पर सवालिया निशान खड़े हो गए हैं।

बता दें श्यामपुर स्थित आर्यावर्त विश्वविद्यालय हाल ही में एक बड़े विवाद के घेरे में आया है। विश्वविद्यालय पर आरोप है कि उसने रुकमणी देवी पब्लिक स्कूल की बिल्डिंग को आधार बनाकर यूनिवर्सिटी की मान्यता हासिल कर ली।

शिकायत में कहा गया है कि मान्यता प्राप्त करने के लिए पूर्व में किए गए निरीक्षणों में भारी फर्जीवाड़ा किया गया। आरोप है कि न केवल बुनियादी ढांचे बल्कि स्टाफ की नियुक्तियों में भी गंभीर विसंगतियां हैं। शिकायतकर्ता ने इस पूरे मामले को जालसाजी करार देते हुए प्रबंधन पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

कलेक्टर ने बैठाई थी 13 सदस्यीय टीम

मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर बालागुरू के. ने 9 जनवरी को प्राप्त शिकायती प्रकरण पर संज्ञान लिया और 16 फरवरी को जांच के आदेश जारी किए। इसके पालन में चंद्रशेखर आजाद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रोहिताश्व कुमार शर्मा के नेतृत्व में 13 सदस्यीय उच्च स्तरीय कमेटी बनाई गई। इस टीम में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों और प्रोफेसरों को शामिल किया गया था, जिन्हें यूनिवर्सिटी के कैंपस, दस्तावेजों और स्टाफ की बारीकी से पड़ताल कर रिपोर्ट सौंपनी थी।

लिखित आदेश पर 'फोन कॉल' भारी

जांच अभी गति पकड़ ही रही थी कि प्रशासनिक गलियारों से आए 'फोन कॉल्स' ने इसे रोक दिया। पीजी कॉलेज प्राचार्य डॉ. रोहिताश्व कुमार शर्मा ने 28 फरवरी को प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा विभाग को एक पत्र लिखकर पूरी स्थिति स्पष्ट की है। पत्र के अनुसार उच्च शिक्षा विभाग के ओएसडी डॉ. अनिल पाठक और अतिरिक्त संचालक डॉ. मथुरा प्रसाद द्वारा फोन पर दिए गए मौखिक निर्देशों के आधार पर इस जांच समिति को स्थगित/निरस्त कर दिया गया है।

प्राचार्य ने पत्र में किया उल्लेख

प्राचार्य ने पत्र में स्पष्ट उल्लेख किया है कि 25 फरवरी को शाम 5.45 बजे ओएसडी डॉ. अनिल पाठक ने मोबाइल पर निर्देश दिए। जबकि 27 फरवरी को दोपहर 12.25 बजे अतिरिक्त संचालक डॉ. मथुरा प्रसाद ने मौखिक रूप से जांच रोकने को कहा। बता दें अब इस प्रकरण को उच्च स्तरीय विभागीय जांच हेतु भेजने की बात कही जा रही है, जिसे स्थानीय स्तर पर जांच से बचने का पैंतरा माना जा रहा है।

जिम्मेदारों के विरोधाभासी बयान

इस पूरे मामले में यूनिवर्सिटी प्रबंधन का पक्ष भी सामने आया है। आर्यावर्त यूनिवर्सिटी के संचालक पुष्पेंद्र गौतम का कहना है कि उन्होंने मान्यता के लिए सभी नियमों का पालन किया है और यूनिवर्सिटी नियमानुसार ही चल रही है। वहीं, जिस रुक्मणि देवी पब्लिक स्कूल की बिल्डिंग को लेकर विवाद है, उसके डायरेक्टर ब्रजेश पाटीदार ने पल्ला झाड़ते हुए कहा कि वे इस बारे में कुछ नहीं कह सकते और सारा काम पुष्पेंद्र गौतम ही देखते हैं।

कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी : फिलहाल 13 सदस्यीय टीम की जांच ठप होने से शिकायतकर्ता और आम जनता के बीच प्रशासन की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी है। अब देखना यह होगा कि क्या शासन इस मामले में निष्पक्ष जांच कराता है या मौखिक निर्देशों के इस खेल में शिक्षा के नाम पर हो रहा कथित फर्जीवाड़ा दब कर रह जाएगा।

खड़े हो रहे हैं गंभीर सवाल

- कलेक्टर के लिखित आदेश को विभाग के अधिकारियों द्वारा फोन पर दिए गए मौखिक निर्देशों से पलटना कई संदेह पैदा करता है, क्या किसी रसूखदार के दबाव में स्थानीय जांच को रोका गया है?
- क्या स्कूल की बिल्डिंग में यूनिवर्सिटी चलने के आरोपों में वाकई दम है, जिसे छिपाने की कोशिश हो रही है?
- जब मामला जिला प्रशासन के अधिकार क्षेत्र में था तो उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने सीधे हस्तक्षेप क्यों किया?

मरदानपुर जलप्रदाय योजना के 86 ग्रामों में आगामी तीन दिन तक 3 भागों में बांटकर किया जाएगा जलप्रदाय

सीहोर। मरदानपुर ग्रामीण समूह जलप्रदाय योजना से भैरूंदा एवं बुधनी के 161 ग्रामों में पेयजल प्रदाय किया जाता है। योजनांतर्गत जल शोधन संयंत्र पर लगे 3 मोटर पंपों में से 2 में तकनीकी समस्या आ जाने के कारण सिर्फ 01 मोटर पंप से जलप्रदाय किया जा रहा है। 2 मोटर पंप की मरम्मत का कार्य जारी है एवं नवरात्री पर्व में देवीधाम सलकनपुर में पेयजल प्रदाय को ध्यान में रहते हुए योजना के सलकनपुर जोन के 86 ग्रामों में आगामी तीन दिनों तक जलप्रदाय 3 भागों में बांटकर किया जायेगा।

इसके लिए परियोजना के डिप्टी टीम लीडर श्री भूपेंद्र यादव द्वारा तीन दिनों का शेड्यूल जारी किया गया है। जारी शेड्यूल अनुसार प्रथम दिवस में ग्राम आंवलीघाट, गंजीट, इटारसी, नीलकछार, नक्कितलाई, पानगुराडिया, मथिनी, मुर्राह, धानकोट, पाथोड़ा, चारुआ, जहाजपुरा, सत्तुमड़ी, सतारा, दीपाखेड़ा, होलीपुरा, पिलिकारार, खंडावाड़, बायन (बान्या), उंचाखेड़ा, पांडाडोह, देवगांव, तालपुरा, महुकला, पातालकोह (गुड़िया), मकोड़िया, सेमरिया और सलकनपुर में जल प्रदाय किया जाएगा। इसी प्रकार दूसरे दिवस में ग्राम मकोड़िया, सतधार, जमुनरा, जमुनियाकला, भादकुल, बोरधी, अनुप्पुरा, मालीबांया, कोसमी, प्रतापपुर, ओलियापुल, झोलियापुर, बर्धा, जमुनिया प्रजापत, मर्दानपुर, बहराखेड़ी, डोंगरी, पांगरा, मोगरा, फुलाड़ा, नयागांव में जल प्रदाय किया जाएगा। इसी प्रकार तीसरे दिवस में गोंडीगुड़ाडिया, चिचला खुर्द, रामनगर, नरेला, नदियाखेड़ा, रेवागांव, बरखेड़ा, बसनिया कला, सावलखेड़ा, रतनपुर, बसनिया खुर्द, इटावा जदीद, कलवाना और रामगढ़ा में जल प्रदाय किया जाएगा।

एक्सीलेंस से लुनिया चौराहा रोड चौड़ा, दो पुल नए बनेंगे

सीहोर। एक्सीलेंस स्कूल से मंडी ओवरब्रिज होते हुए लुनिया चौराहा तक सड़क चौड़ी होगी। इस मार्ग पर अंग्रेजों के जमाने के दो पुल हैं। दूल्हाबादशाह पुल. बकरी पुल. दोनों पुल तोड़े जाएंगे। नए सिरे से बनाए जाएंगे। दोनों पुलों पर 5 करोड़ 87 लाख रुपए खर्च होंगे। बकरी पुल का काम शुरू हो गया है। पहले पानी की मेन सप्लाई लाइन शिफ्ट की जा रही है। इसके बाद पुल बनेगा। नगर पालिका के सहायक यंत्री विजय कोली ने बताया कि लाइन शिफ्ट का काम चल रहा है। काम जल्द पूरा होगा। दोनों पुल पीडब्ल्यूडी बना रहा है। दूल्हाबादशाह पुल का काम एक महीने पहले शुरू हो चुका है। बकरी पुल सीवन नदी पर बना है। पुल की ऊंचाई कम है। बरसात में नदी का पानी पुल के ऊपर से बहता है। कई बार आवागमन रुक जाता है। अभी पुल की चौड़ाई 5 मीटर है। अभी कुछ जगह हट चुका है अतिक्रमण इंदौर नाका से लुनिया चौराहा वाले मार्ग से भारी वाहन गुजरते हैं। चार पहिया वाहन चलते हैं। दो पहिया वाहन चलते हैं। सड़क संकरी होने से दिक्कत होती थी। सड़क चौड़ी होने से राहत मिलेगी। पुल नए बनने से भी फायदा होगा। ब्रिज कारपोरेशन के अधिकारियों के मुताबिक दोनों पुल इसी साल बनकर तैयार हो जाएंगे। शहर में कुछ और सड़कों पर भी काम चल रहा है। मछली पुल से लुनिया चौराहा सड़क पर सीसी निर्माण हो रहा है। सड़क करीब 1 किमी लंबी है। चौड़ीकरण भी हो रहा है। भोपाल नाका से कोतवाली चौराहा तक सड़क का चौड़ीकरण होना है। यहां अतिक्रमण की समस्या है। कुछ जगह हट चुका है। कुछ जगह हटना बाकी है। सीहोर से फंदा टोल नाका तक सड़क को फोरलेन में बदला जा रहा है।

खबर संक्षेप

जलगांव ने जूनियर को 148 रन के विशाल अंतर से हराया

सीहोर। शहर के बीएसआई मैदान पर नगर सेठ स्व. गेंदालाल राय स्मृति लेदर बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। गुरुवार को एक मात्र मैच खेला गया। जिसमें जलगांव ने पीपीसीए जूनियर को 148 रन के विशाल अंतर से हराया। इस मैच में जलगांव की ओर से गणेश ने मात्र 38 गेंद पर पांच छक्कों की मदद से 83 रन, भोला चौधरी ने 54 रन और अमोल कोपले ने 25 गेंद पर 45 रन की विस्फोटक पारी खेली। पहले बल्लेबाजी करने उतरी जलगांव की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में दस विकेट खोकर 249 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था। इसमें गणेश ने 83 रन, सत्यम सिंह ने 10 रन, अमोल कोपले ने 45 रन, भोला चौधरी ने 54 रन, गणेश चानोरा ने 19 रन की शानदार पारी खेली। वहीं पीपीसीए जूनियर की ओर से गेंदबाजी करते हुए हार्दिक वर्मा ने तीन विकेट, केशवादित्य गोहिया ने दो विकेट, यामिनी, नवनीत सोनी, मनीष परमार ने एक-एक विकेट हासिल किया। आयोजन समिति की ओर से अतुल त्रिवेदी और प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि लक्ष्य का पीछा करने उतरी पीपीसीए जूनियर टीम नौ विकेट खोकर 101 रन ही बना सकी। इसमें मनीष परमार ने 35 रन, नवनीत सोनी ने 13 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेली। इधर जलगांव की ओर से गेंदबाजी करते हुए दीपक-सत्यम ने दो-दो विकेट, अनमोल-सूरज ने एक-एक विकेट हासिल किया।

पेंशनर्स एसोसिएशन के तत्वाधान में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

सीहोर। भारतीय स्टेट बैंक पेंशनर्स इकाई सीहोर के सदस्यो ने शहर के छावनी स्थित विश्रामघाट पहुंचकर इकाई के सदस्य रामगोपाल प्रजापति की धर्मपत्नी स्व. पार्वती बाई के आकस्मिक देवलोक गमन पर उनके अंतिम कार्य मे सम्मिलित होकर घाट पर श्रद्धांजली सभा का आयोजन किया। इस मौके पर इकाई के अध्यक्ष हरीश अग्रवाल ने श्रद्धांजली अर्पित करते हुए पार्वती बाई की जीवनशैली व उनके अच्छे व्यवहारिक स्वभाव पर प्रकाश डाला, उनके देवलोक गमन से उनके परिवार पर हुए गहन आघात पर सभी ने अपनी संवेदनाए व्यक्त की। इस सभा में इकाई के अध्यक्ष हरीश अग्रवाल, ब्रजेश पालीवाल, आरएस वर्मा, अशोक बरेठा, एलएन बरेठा, लतीफ खान, दिनेश दिनकर, मनोहर बोयत, सतीश डावरे, रामचंद्र मालवीय, कैलाशचंद्र सोनी आदि उपस्थित रहे।

सेटेलाइट से होगी खनिजों के अवैध उत्खनन की निगरानी

सीहोर। खनिजों के अवैध उत्खनन पर नियंत्रण के लिये सेटेलाइट आधारित खनन निगरानी प्रणाली विकसित की गयी है। प्रमुख सचिव खनिज ने सेटेलाइट (उपग्रह) आधारित खनन निगरानी प्रणाली को लागू किये जाने के संबंध में जिला कलेक्टर्स को आदेश जारी कर दिए हैं।

किसानों की सूझबूझ से सैकड़ों एकड़ गेहूं बची, नरवाई जली

रेलवे कार्य की आड़ में मिट्टी का खेल डंपर ब्लास्ट से टला बड़ा हादसा

बगवाड़ा और इटारसी मार्ग के बीच शाम करीब 5 से 6 बजे के दौरान मुरम से भरे एक ओवरलोड डंपर में अचानक तेज धमाका हो गया। धमाका इतना जोरदार था कि डंपर का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैरुंदा

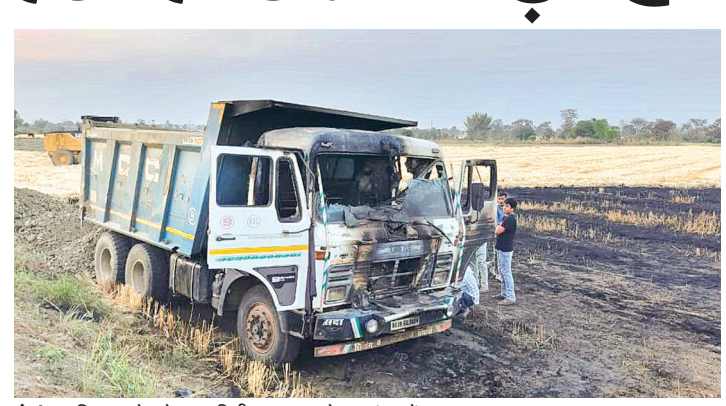

भैरुंदा। किसान के खेत पर मिट्टी मुरम डालते हुए डंपर में हुआ ब्लास्ट

तहसील क्षेत्र में रेलवे और राष्ट्रीय सड़क निर्माण कार्यों की आड़ में हो रही मिट्टी और मुरम की खुदाई ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। निर्माण के नाम पर चल रही ये गतिविधियां अब अवैध कारोबार का रूप लेती नजर आ रही हैं। सूत्रों के मुताबिक, एजेंसियां निर्माण कार्य के लिए निकाली जा रही मिट्टी और मुरम को खुले बाजार में बेचकर मोटा मुनाफा कमा रही हैं, जबकि जमीनी स्तर पर संबंधित निर्माण कार्य लगभग नदारद हैं।

जानकारी के अनुसार शासकीय भूमि, तालाबों, नदी किनारों और निजी खेतों तक में बड़े पैमाने पर खुदाई की जा रही है। एजेंसियां खनिज विभाग से अनुमति होने का दावा जरूर करती हैं, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि इन अनुमतियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। "रेलवे कार्य" के नाम पर तालाबों से मुरम निकालकर किसानों को बेचे जाने के मामले सामने आए हैं, जिससे पर्यावरण संतुलन बिगड़ने के साथ जल स्रोतों पर भी संकट गहराता जा रहा है। इसी बीच गुरुवार शाम ग्राम पंचायत बगवाड़ा में एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। बगवाड़ा और इटारसी मार्ग के बीच शाम करीब 5 से 6 बजे के दौरान मुरम से भरे एक ओवरलोड डंपर में अचानक तेज धमाका हो गया। धमाका इतना जोरदार था कि डंपर का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। ब्लास्ट के बाद निकली चिंगारियों से पास के खेत में पड़ी नरवाई में आग लग गई, जिसने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया और आसपास खड़ी गेहूं की फसल को अपनी चपेट में लेने लगी। मौके पर मौजूद किसानों ने तत्परता और सूझबूझ का परिचय देते हुए तुरंत आग बुझाने का प्रयास शुरू किया और समय रहते आग पर काबू पा लिया। यदि कुछ मिनट की भी देरी होती, तो सैकड़ों एकड़ में खड़ी फसल जलकर राख हो सकती थी और किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत के साथ आक्रोश का माहौल है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार डंपर पर एमसीसी एजेंसी का नाम अंकित था। पूछताछ में यह वाहन राजस्थान की मोहनलाल कंस्ट्रक्शन कंपनी से जुड़ा बताया जा रहा है, जो रेलवे निर्माण कार्य में लगी हुई है। हालांकि जिस स्थान पर मुरम डाली जा रही थी, वहां किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य संचालित नहीं मिला, जिससे एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में अवैध खनन और परिवहन का संगठित खेल चल रहा है, जिसमें नियमों की खुलेआम अनदेखी हो रही है। अधिकांश वाहन अनफिट हालत में ओवरलोड होकर सड़कों पर दौड़ रहे हैं, जो कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं।

प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिम्मेदार विभागों की अनदेखी और ढिलाई के चलते एजेंसियों के हौसले बुलंद हैं। उन्होंने अवैध खनन और ओवरलोड परिवहन पर तत्काल रोक लगाने और दोषी एजेंसियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

मामले में एसडीएम सुधीर कुशवाह ने कहा कि घटना की जानकारी मिली है और पूरे प्रकरण की जांच कराई जाएगी। साथ ही अनफिट और ओवरलोड वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए चालानी कार्रवाई भी की जाएगी।

महावीर जयंती पर सकल जैन समाज निकालेगा शोभयात्रा

29 मार्च को प्रभात फेरी धार्मिक अनुष्ठान, 30 मार्च को विश्व शांति महायज्ञ व शोभायात्रा, सांस्कृतिक कार्यक्रम

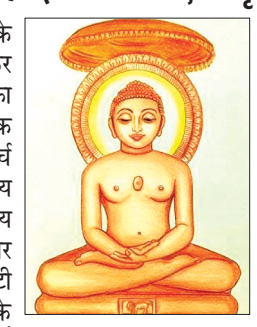

सीहोर। जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर का जन्म कल्याणक महोत्सव 30 मार्च महा पर्व को भव्य विशाल दो दिवसीय आयोजन दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी ट्रस्ट समिति के तत्वाधान मे सकल जैन समाज द्वारा आयोजित किया जायेगा।

महावीर जयंती महापर्व पर आयोजन के लिए जैन संत भवन मे दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी ट्रस्ट समिति द्वारा बैठक आहुत की गई। बैठक मे सकल जैन समाज द्वारा महावीर जयंती समारोह बड़े भक्ति भाव हर्षोल्लास से मनाने का निर्णय लिया गया। महावीर जयंती पर्व पर प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी महावीर जयंती समारोह बड़े भक्ति भाव हर्षोल्लास से मनाने के लिए परंपरागत दो दिवसीय कार्यक्रम का निर्णय लिया गया है। निर्धारित कार्यक्रम अनुसार 29 मार्च को प्रातः 5 बजे श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन छावनी मंदिर से प्रभात फेरी का शुभारंभ होगा जो नगर के प्रमुख मार्गो से होती हुई गांधी पार्क स्थित भगवान महावीर जैन सिध्दांत उल्लेखित स्मारक कीर्ति स्तंभ पर पंहुचेगी जहां भक्तिभाव से भजन कीर्तन धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कर प्रभात फेरी कस्बा स्थित श्री चंद्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर पंहुचगी जहां श्रध्दालु देव दर्शन कर पूजा अर्चना कर धर्म लाभ अर्जित करेगें। 30 मार्च प्रातः 6.30 बजे से 8 बजे तक छावनी मंदिरजी श्रध्दालु पंडित जी निर्दशन में श्री जी के अभिषेक विशेष पूजा अर्चना धार्मिक अनुष्ठान संपन्न करेगें। तत्पश्चात मंदिरं जी से सुबह 9 बजे श्री जी की भव्य रथ यात्रा नगर के मुख्य मार्गो से होती हुई। पुनः श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पंहुचेगी जहां तीर्थंकर भगवान महावीर की प्रतिमा के अभिषेक, शांति धारा धार्मिक अनुष्ठान संपन्न करेंगे। तत्पश्चात कुईया गार्डन मे सकल जैन समाज का स्वरूचि भोजन करेगें। संध्या को भजन कीर्तन पलना झूलाने, सांस्कृतिक कार्यक्रम महिला मंडल द्वारा के तत्वाधान मे आयोजित किए जाएंगे।

जागरूकता रथ गांव-गांव पहुंचकर लोगों को जल जीवन मिशन योजना की देगा जानकारी

इछावर। जल जीवन मिशन योजना की जानकारी गांव - गांव तक पहुंचाने और नल जल योजना के संबंध में लोगों की समझ विकसित करने के लिए मध्यप्रदेश जल निगम परियोजना क्रियान्वयन ईकाई सीहोर द्वारा जागरूकता रथ चलाया जा रहा है। एसडीएम स्वाति मिश्रा द्वारा रथ को तहसील कार्यालय से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। समन्वयक अभिषेक परमार ने जानकारी देते हुए बताया कि जल जीवन मिशन के तहत संचालित जागरूकता रथ का उद्देश्य समुदाय स्तर पर जन जागरूकता बढ़ाना, ग्राम कार्य योजना की समझ विकसित करना, ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति की

भूमिका स्पष्ट करना तथा जल संरक्षण एवं जल गुणवत्ता की जानकारी देना आदि है। इस मौके पर मध्यप्रदेश जल निगम मर्यादित सीहोर से एमसीपी मनेंद्र कटियार, एएमसीपी नरेंद्र राठौर, आयोजक संस्था सांईराम टेक्नो मैनेजमेंट सॉल्यूशन प्रा. लि. के परियोजना प्रबंधक पायल कावड़े, परियोजना समन्वयक अभिषेक परमार, शिवम राठौर, राकेश मालवीय, राजेश वर्मा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

आरटीईः स्कूलों के 15 करोड़ बाकी, दो सत्रों से नहीं मिली राशि

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

शिक्षा का अधिकार (आरटीई) कानून के तहत जरूरतमंद बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ाने की योजना लागू है, लेकिन सीहोर जिले में इसका भुगतान लंबे समय से अटका हुआ है। जिले के 600 से अधिक निजी स्कूलों को शासन स्तर पर करीब 15 करोड़ रुपए बकाया हैं। यह राशि उन बच्चों की पढ़ाई के एवज में दी जानी है, जो कक्षा 1 से 8 तक आरटीई के तहत अध्ययनरत हैं।

निजी स्कूल संचालकों के अनुसार, शासन ने दो शैक्षणिक सत्रों 2024-25 और 2025-26 का भुगतान अब तक नहीं किया है। प्रत्येक सत्र का बकाया लगभग साढ़े 7 करोड़ रुपए है। भुगतान लंबित होने से कई निजी स्कूल संचालक आर्थिक दबाव में हैं। उनका कहना है कि स्कूल संचालन में फीस के अलावा कई अन्य खर्चे भी होते हैं, जिन्हें वहन करना कठिन हो रहा है।

जिले में हर साल आरटीई के तहत आवेदन लिए जाते हैं। इस योजना में निजी स्कूलों में सीमित सीटें उपलब्ध होती हैं। पहले यह संख्या कभी 2200 तो कभी 2500 सीटों के आसपास रही, जबकि इस वर्ष इसे बढ़ाकर करीब 2700 कर दिया गया। औसतन प्रत्येक स्कूल में 8 से 10 विद्यार्थियों को ही प्रवेश मिलता है, जबकि इच्छुक बच्चों की संख्या कहीं अधिक होती है।

2000 बच्चों को मिला था प्रवेश

2024-25 में करीब 2000 बच्चों को आरटीई के तहत प्रवेश मिला था वर्ष 2025-26 में जिले में आरटीई के पहले चरण में 2008 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया, जबकि दूसरे चरण में करीब 150 बच्चों को शामिल किया गया। वर्ष 2024-25 में भी करीब 2000 बच्चों को आरटीई के तहत प्रवेश मिला था। हालांकि, आरटीई का दूसरा चरण उस वर्ष आयोजित नहीं हो सका। आवेदन जारी, भुगतान प्रक्रिया चल रही, 2 अप्रैल को लॉटरी से चयन शिक्षा विभाग के अनुसार, वर्तमान में आरटीई के नए सत्र के लिए आवेदन लिए जा रहे हैं। इस सत्र के लिए 2 अप्रैल को लॉटरी से बच्चों का चयन किया जाएगा। विभाग ने बताया कि स्कूलों को भुगतान की प्रक्रिया वरिष्ठ कार्यालय से होती है और यह अब भी चल रही है।

संगीतमय 2100 सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ, गुड़ी पड़वा पर भक्तिमय हुआ नगर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैरुंदा

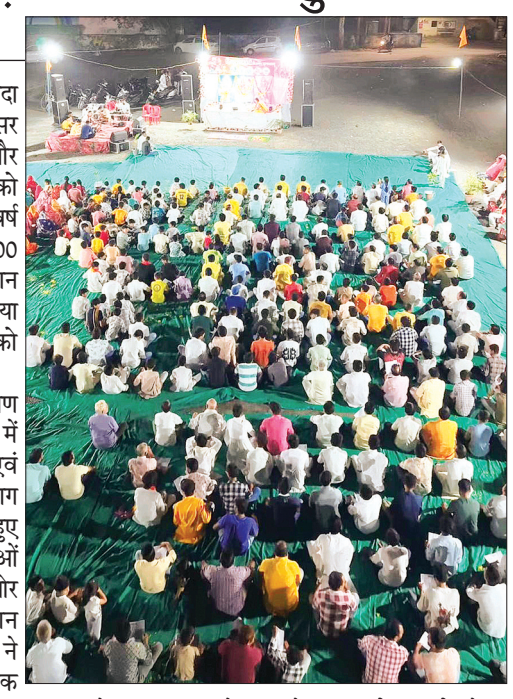

हिंदू नव वर्ष, चैत्र शुक्ल प्रतिपदा एवं गुड़ी पड़वा के पावन अवसर पर नगर भैरुंदा में भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस शुभ दिन पर दूसरे वर्ष भी नगर में भव्य स्तर पर 2100 श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया, जिसने पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया।

नगर के सांदीपनी स्कूल प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में मातृशक्ति, युवा, वरिष्ठजन एवं छोटे बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संगीतमय स्वर में हुए हनुमान चालीसा पाठ ने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक भाव से सराबोर कर दिया। आयोजन के दौरान आतिशबाजी और पुष्पवर्षा ने वातावरण को और अधिक उत्सवमय बना दिया। आयोजन समिति के अनुसार, इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में धर्म, संस्कृति और एकता की भावना को सुदृढ़ करना है। बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से पाठ कर पुण्य लाभ अर्जित किया और आयोजन को सफल बनाया। पूरे नगर में इस आयोजन को लेकर विशेष उत्साह और उमंग का माहौल रहा। कार्यक्रम के समापन पर हनुमान जी एवं भारत माता की आरती कर प्रसाद वितरण किया गया, जिसके साथ ही यह भव्य धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ।

बंदी छोड़ हनुमान मंदिर परिसर में हुआ ट्यूबवेल खनन

सीहोर। एक प्रयास एनजीओ संस्था के द्वारा बुधवार को प्रसिद्ध बंदी छोड़ हनुमान मंदिर पुरानी जेल परिसर में सेठ जी डेवलपर्स के सहयोग से नियमित श्रद्धालुओं के लिए शीतल जल उपलब्ध करने के लिए ट्यूबवेल खनन का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम के दौरान समाज सेवी त्रिलोकचंद्र राजपाल और रमेश मुंद्रडा के द्वारा बंदी छोड़ हनुमान जी महाराज की विधिवत पूजा अर्चना की गई। इसके बाद सांवरिया सेठ बगलामुखी हनुमान जी महाराज की कृपा से एक प्रयास एनजीओ अध्यक्ष सन्नी राजपाल और संचालक रजत मुंद्रडा सहित विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के नगर अध्यक्ष परमवीर संधू, यज्ञेश हिंदू ,इंजीनियर कृष्ण पाल सिंह बघेल, पार्षद नरेंद्र राजपूत के द्वारा बोरिंग मशीन ड्राइवर और खनन करने वाले कर्मचारियों को फूल मालाए पहनाकर स्वागत कर ट्यूबवेल खनन कार्य का शुभारंभ किया गया। एक प्रयास संस्था के द्वारा सीहोर शहर के एक दर्जन से अधिक मंदिरो में पहुंचने वाले लाखों श्रद्धालुओं को गर्मी के मौसम में ठंडा शीतल जल उपलब्ध कराने के लिए 80 लीटर पानी की क्षमता वाले गोल्ड स्टार वाटर कूलर लगवाए जा रहे हैं। कार्यक्रम में अखिलेश राज राठौर, अर्जुन दांगी, अभिषेक यादव, संदीप सोनी, प्रकाश राजपाल, आयुष गर्ग नितिन शर्मा, विनोद शर्मा, धर्मेंद्र कुइया, नितिन सोनी, श्याम मंत्री, सुनील चौकसे, नवीन सेन, संजय जादौन, दिनेश झाला सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय इंग्लिश ओलिंपियाड में चार विद्यार्थियों का चयन, ग्वालियर में होगा सम्मान

भैरूंदा। राज्य शिक्षा केंद्र, भोपाल द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित की जाने वाली राज्य स्तरीय इंग्लिश ओलिंपियाड प्रतियोगिता में इस वर्ष सीहोर जिले के चार प्रतिभावान छात्र-छात्राओं ने चयनित होकर जिले का नाम रोशन किया है। चयनित विद्यार्थियों का राज्य स्तरीय सम्मान समारोह 22 व 23 मार्च को ग्वालियर में आयोजित किया जाएगा। सीहोर जिला कलेक्टर बाला गुरु के एवं जिला पंचायत सीईओ सर्जना यादव के निर्देशन में आयोजित इस परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को लेकर जिला शिक्षा विभाग में उत्साह का माहौल है। जिला शिक्षा अधिकारी संजय सिंह तोमर एवं डीपीसी रमेशराम उईके ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। एपीसी एकेडमिक सुरेंद्र सिंह यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला स्तरीय अंग्रेजी ओलिंपियाड में टॉप करने वाले विकासखंड भैरूंदा के तीन विद्यार्थी—कक्षा 3 की कुमारी नंदिनी, कक्षा 4 के छात्र आर्यांस (पिता राजेश पवार) एवं कक्षा 2 के छात्र दक्ष (पिता संदीप पवार), शासकीय प्राथमिक शाला नदीपार हाथीघाट से हैं। इनका मार्गदर्शन शिक्षक रितेश कुमार विश्वकर्मा एवं रामस्वरूप झांगरे ने किया। इसी प्रकार शासकीय माध्यमिक शाला नंदगांव की कक्षा 5 की छात्रा कुमारी अल्फिया खान

(माता रेशमाबी) ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तर के लिए स्थान बनाया है। उनका मार्गदर्शन शिक्षिका प्रज्ञा पांडे द्वारा किया गया। जिले से चयनित चारों टॉपर विद्यार्थी अपने अभिभावकों एवं मार्गदर्शक शिक्षकों के साथ राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में सहभागिता करेंगे। विशेष बात यह है कि चारों ही विद्यार्थी भैरूंदा विकासखंड से हैं, जो क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। डीपीसी कार्यालय के चंद्रशेखर वर्मा, लखन महेश्वरी, फूलवती राठौर सहित बीआरसीसी विजय पवार एवं समस्त बीएसी-सीएसी ने भी विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों व शिक्षकों को बधाई दी है।

खेतों में नरवाई नहीं जलाने की किसानों से की अपील

किसान कल्याण वर्ष 2026- नरवाई प्रबंधन के प्रति किसानों को स्वयं जागरूक कर रहे कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

मध्यप्रदेश में वर्ष 2026 को "किसान कल्याण वर्ष" के रूप में मनाया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि करना, कृषि को अधिक लाभकारी बनाना, मृदा की उर्वरता को बढ़ाना तथा शासन की योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाना है। इसी कड़ी में सीहोर जिले में कलेक्टर बालागुरू के. के द्वारा में किसानों एवं पर्यावरण के हित को ध्यान में रखते हुए नरवाई जलाने की घटनाओं को रोकने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

कलेक्टर बालागुरू के. स्वयं ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण कर किसानों से सीधे संवाद कर रहे हैं और उन्हें नरवाई नहीं जलाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उनकी इस सक्रिय पहल का उद्देश्य न केवल पर्यावरण संरक्षण है, बल्कि मृदा की उर्वरता को

बनाए रखना भी है, जिससे किसानों को दीर्घकालीन लाभ मिल सके। इसी क्रम में कलेक्टर बालागुरू के. सीहोर जिले के ग्राम नरसिंह खेड़ा एवं सेवनियां पहुंचे, जहां उन्होंने किसानों से संवाद करते हुए नरवाई प्रबंधन के महत्व को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि नरवाई जलाने से वातावरण प्रदूषित होता है तथा भूमि की उर्वरता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, जिससे उत्पादन क्षमता घटती है। इसलिए वैज्ञानिक पद्धतियों के माध्यम से नरवाई प्रबंधन अपनाना समय की आवश्यकता है।

कलेक्टर बालागुरू के. ने किसानों को जानकारी दी कि कृषि विभाग द्वारा नरवाई प्रबंधन के लिए विभिन्न अनुदानित मशीनें एवं संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इन मशीनों के उपयोग से नरवाई से भूसा तैयार किया जा सकता है, जिससे किसानों को अतिरिक्त आर्थिक लाभ प्राप्त होगा और उन्हें नरवाई जलाने की आवश्यकता भी नहीं पड़ेगी। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे पर्यावरण संरक्षण एवं अपनी भूमि की उर्वरता को बनाए रखने के लिए नरवाई न जलाएं और शासन द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे संसाधनों का अधिकतम लाभ उठाएं। कलेक्टर की इस पहल से जिले में जागरूकता बढ़ रही है और किसान भी नरवाई प्रबंधन के वैकल्पिक उपायों को अपनाने के लिए आगे आ रहे हैं।

शिक्षकों ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

इछावर। शिक्षक पात्रता परीक्षा के विरोध में शिक्षक संघर्ष संयुक्त मोर्चा के नेतृत्व में ब्लांक के शिक्षकों ने शुक्रवार को तहसील कार्यालय पहुंचकर एसडीएम को राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में शिक्षकों ने पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता को समाप्त करने की मांग की है। संयुक्त मोर्चा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में शिक्षक एकत्रित होकर तहसील कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने एसडीएम स्वाति मिश्रा को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि सत्र 1997 से गुरूजी, शिक्षाकर्मी, संविदा शिक्षक आदि नियुक्तियां मप्र शिक्षक भर्ती नियम 2018 की सेवा शर्तों के अनुसार की गई। इसमें पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता नहीं है। लेकिन लोक शिक्षण संचालनालय के निर्देश के बाद 15 से 25 वर्ष से शैक्षणिक कार्य कर रहे शिक्षकों को पात्रता परीक्षा पास नहीं करने वाले शिक्षकों की सूची मांगी जा रही है। जिससे प्रदेश के करीब 1.5 लाख शिक्षकों की सेवा सुरक्षा और भविष्य पर संकट खड़ा हो गया है। शिक्षकों ने शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता को समाप्त करने की मांग की है।

खबर संक्षेप

प्रियंका बनीं सहायक प्रधानाध्यापक

भौरासा। नगर से लगे ग्राम पोलाय जागीर की रहने वाली बेटी प्रियंका यादव का सहायक प्रधानाध्यापक के पद पर चयन हुआ है। जानकारी अनुसार क्षेत्र के माध्यमिक स्कूल में कार्यरत अध्यापक राजेंद्र सिंह यादव की बेटी प्रियंका यादव ने मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा 2022 में सफलता अजिर्त की है। प्रियंका का सहायक प्रधानाध्यक के लिए चयन हुआ है। इस सफलता का श्रेय प्रियंका ने अपने अध्यापक पिता राजेंद्रसिंह यादव को दिया और कहा कि पिता का मार्गदर्शन और पूरे परिवार का सहयोग मिला। कड़ी मेहनत कर मंजिल हासिल की। प्रियंका की सफलता पर क्षेत्र के वरिष्ठजनों ओर राजनीतिकारों ने बधाई और शुभकामनाएं दी।

रुक्मा बाई को दी श्रद्धांजलि

भौरासा। नगर के शिवनारायण कुंभकार की पत्नी, सोम सूरज की माता रुक्मा बाई का पिछले दिनों निधन हो गया जिनकी आत्मशांति हेतु नगर के गणमान्यजनों ने पुष्पांजलि देकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान मंडल अध्यक्ष प्रतिनिधि अनिल चावड़ा, नगर परिषद अध्यक्ष संजय जोशी, उपाध्यक्ष जय सिंह राणा, मंडल मीडिया प्रभारी प्रेमचंद अग्रवाल,पूर्व न.प. अध्यक्ष राजेंद्र यादव, पूर्व विधायक प्रतिनिधि प्रमोद पालीवाल, नरेंद्र माली, मनोज शुक्ला, अभय नागर, मनोज जोशी, प्रदीप मंत्री आदि नगर के गणमान्य नागरिकों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

नरवाई जलाए जाने पर अर्थदंड की कार्रवाई

देवास। जिले में रबी फसलों विशेषकर गेहूं की कटाई का सीजन शुरू होते ही नरवाई जलाने की घटनाओं के नियंत्रण के लिए प्रशासन ने रणनीति तैयार की है। हार्वेस्टर से गेहूं काटने के बाद स्ट्रारीपर से भूसा बनाएं, इसके बाद रोटावेटर चलाकर नरवाई को भूमि में मिलाएं और बायो डी कम्पोजर का नरवाई के ऊपर छिड़काव करने से नरवाई खेत में ही सड़ गल जाएगी।उप संचालक कृषि गोपेश पाठक ने बताया कि सेटेलाइट द्वारा नरवाई में आग लगाने की घटनाओं की मानिटरिंग की जा रही है।

नववर्ष संग नवरात्रि का शुभारंभ: माता टेकरी पर उमड़ा आस्था का जनसैलाब

घटस्थापना, महाआरती और विशेष श्रृंगार के बीच हजारों श्रद्धालुओं ने किए माता चामुंडा व तुलजा भवानी के दर्शन

गुड़ी पड़वा पर तिलक, अर्घ्य और प्रसाद वितरण के साथ मनाया गया हिन्दू नववर्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ देवास

धर्म, परंपरा और आस्था के संगम के साथ हिंदू नववर्ष और चैत्र नवरात्रि का शुभारंभ गुरुवार को हर्षोल्लास के साथ हुआ। नवसंवत्सर के पहले ही दिन माता टेकरी पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही बड़ी संख्या में भक्त माता चामुंडा और माता तुलजा भवानी के दर्शन के लिए पहुंचने लगे, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। नवरात्रि की शुरुआत विधि-विधान से घटस्थापना के साथ हुई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना की गई, जिससे टेकरी परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से गूंज उठा। शाम को महाआरती और भजन-कीर्तन के साथ श्रद्धालु प्रतिदिन भक्ति में सराबोर नजर आएंगे। वहीं, गुड़ी पड़वा के अवसर पर पूरे शहर में उत्सव का माहौल देखने को मिला। घर-घर में गुड़ी स्थापना कर समृद्धि और विजय का प्रतीक स्थापित किया गया। लोगों ने एक-दूसरे को तिलक लगाकर और गुड़-धनिया खिलाकर नववर्ष की शुभकामनाएं दीं।

टेकरी पर विशेष सजावट और पूजा-अर्चना

माता टेकरी स्थित बड़ी माता मंदिर में पुजारी मुकेश नाथ एवं छोटी माता मंदिर में पुजारी योगेंद्र द्वारा विधिवत पूजा कर नवरात्रि का शुभारंभ किया गया। दोनों मंदिरों में माताओं का आकर्षक श्रृंगार किया गया और विशेष सजावट की गई। पहले दिन देर शाम तक इंदौर और भोपाल सहित आसपास के शहरों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई गई है। प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। गर्मी से राहत के लिए परिक्रमा मार्ग पर पानी की व्यवस्था, कारपेट बिछाने और छाया के लिए टेंट लगाए गए हैं। सुरक्षा के मद्देनजर सीढ़ी मार्ग और रपट मार्ग पर सघन जांच की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग की टीम भी तैनात है, जिसमें डॉक्टर, एंबुलेंस, व्हीलचेयर, स्ट्रेचर और दमकल सेवाएं 24 घंटे उपलब्ध हैं।

कलेक्टर, एसपी ने परिवार सहित किए दर्शन

कलेक्टर ऋतुराज सिंह और एसपी पुनीत गेहलोद ने अपने परिवार के साथ माता टेकरी पहुंचकर मां तुलजा भवानी और मां चामुंडा के दर्शन किए तथा जिले की सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने अधिकारियों को व्यवस्थाएं बेहतर बनाए रखने के निर्देश भी दिए। नवरात्रि के दौरान लाखों श्रद्धालुओं के आने की संभावना है, जिससे पूरा देवास इन दिनों भक्ति और उत्साह के रंग में रंगा हुआ नजर आ रहा है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के अवसर पर हिन्दू नववर्ष और गुड़ी पड़वा का पर्व शहर में धूमधाम से मनाया गया। मराठी परिवारों ने घरों के बाहर गुड़ी बांधकर पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ उत्सव मनाया और विशेष पकवान तैयार किए।

मंगल तिलक लगाकर मनाया नववर्ष

भाजपा, कांग्रेस विभिन्न संगठनों द्वारा शहर के प्रमुख चौराहों पर राहगीरों और वाहन चालकों को मंगल तिलक लगाकर नववर्ष की शुभकामनाएं दी गईं। सिविल लाइन चौराहे और सयाजीद्वार पर विशेष आयोजन हुए, जहां लोगों को तिलक लगाकर प्रसाद वितरित किया गया। सेन महाराज उद्यान में आयोजित कार्यक्रम में सनातनी बंधुओं ने सामूहिक पूजन कर नववर्ष का स्वागत किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं को श्रीखंड का प्रसाद वितरित किया गया।

श्री शिलनाथ धुनी संस्थान में समाधि महापर्व धूमधाम से संपन्न, सैकड़ों भक्त हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ देवास

शहर स्थित श्री शिलनाथ धुनी संस्थान में सदगुरु श्री योगेंद्र शिलनाथ महाराज का समाधि महापर्व 17 एवं 18 मार्च को दो दिवसीय आयोजन के रूप में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। संस्थान के प्रबंधक दिलीप शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रातः 6 बजे महाराज जी की प्रतिमा का विधिवत अभिषेक एवं पूजन किया गया। इसके पश्चात काकड़ आरती आयोजित हुई। शाम 5:55 बजे महाआरती सम्पन्न हुई, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे। महाआरती के बाद शाम 7 बजे सदगुरु श्री शिलनाथ महाराज की भव्य शोभायात्रा रथ पर विराजित होकर नगर भ्रमण के लिए निकली, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया और भक्ति भाव से जयकारे लगाए। दूसरे दिन 18 मार्च को दोपहर 12 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जो देर शाम तक चलता रहा। इस अवसर पर ट्रस्ट के भगवान सिंह चावड़ा, महेंद्र पडियार, राजेंद्र महंत, शरद पाचुनकर, दिनेश बैरागी, परमानंद द्विवेदी, शैलेंद्र, सुभाष यादव, अर्जुन चौधरी, निलेश वर्मा सहित सैकड़ों भक्त उपस्थित रहे। दो दिवसीय महोत्सव में सेवा समिति के मंथन पडियार, प्रमोद चौहान, चेतन पवार, उमेश चौहान, दिव्यांशु, जय राव, पंडित उपाध्याय, जय सिंह एवं जीवन सिंह सोनगरा का विशेष सहयोग रहा। अंत में ट्रस्ट के अध्यक्ष अजीत भल्ला, भगवान सिंह चावड़ा, राजेंद्र महंत एवं महेंद्र पडियार ने सभी भक्तों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

स्वास्थ्य कर्मचारी संघ प्रांत अध्यक्ष का किया स्वागत

चापड़ा। मध्यप्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के उप प्रान्ताध्यक्ष शंकर सिह ठाकुर का छिंदवाडा से इन्दौर प्रवास के दौरान चापडा में कर्मचारी संघ के नन्दकिशोर मोहवाल, अनिल जोशी तथा अन्य कर्मचारियों ने पुष्प माला से स्वागत किया और कर्मचारियो की मांगो को लेकर चर्चा की। ठाकुर ने बताया कि स्वास्थ्य कर्मचारियों की वेतन विसंगति के बारे में जानकारी प्राप्त हुई है। नियमित स्वास्थ्य कर्मचारी (जैसे एएनएम, नर्स, डॉक्टर) कार्यभार की अधिकता, मानसिक तनाव, संसाधनों की कमी, और पदोन्नति में देरी जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। कार्यस्थल पर कर्मचारियों की कमी के कारण ड्यूटी के घंटे बहुत अधिक होते हैं, जिससे तनाव और थकान की समस्या बढ़ रही है। इस दौरान संदीप सिसोदिया, मेहरू वास्केल, राधेश्याम चौहान, राजेश यादव आदि मौजूद रहे ।

फायर सेफ्टी व वेस्ट मैनेजमेंट की हुई कार्यशाला

देवास। नगर निगम स्वच्छ भारत मिशन टीम द्वारा फायर सेफ्टी एवं वेस्ट मैनेजमेंट प्रशिक्षण कार्यशालाओं आयोजित की। कार्यशाला के दौरान ट्रेनर विशाल जोशी व अरुण तोमर द्वारा ए.एस.बी इन्फोटेक कंपनी के कर्मचारियों को आग से बचाव के आधुनिक तरीकों, अग्नि शमन यंत्रों के संचालन और अपशिष्ट के सुरक्षित निपटान के बारे में शिक्षित करना है। ये कार्यशालाएं कार्यस्थल पर सुरक्षा जोखिमों को कम करने और आपदा के समय त्वरित प्रतिक्रिया के लिए आवश्यक कौशल विकसित करने में मदद करती हैं।कार्यशाला के दौरान कार्यस्थल पर फायर सेफ्टी अग्निशामक यंत्रों का सही उपयोग, निकासी योजना, आपातकालीन रिस्पांस और बचाव के साधन के साथ वेस्ट मैनेजमेंट कचरे का उचित प्रबंधन, खतरनाक अपशिष्ट का सुरक्षित भंडारण और निपटान, जो आग के खतरों को कम करता है।कार्यशाला में मॉक ड्रिल और रिफ्रेशर रूल पर विस्तृत बताया समझाया गया, जो सुरक्षा मानकों को बनाए रखने के लिए आवश्यक हैं।

घर में घुसकर दबंगई करने वाले आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चापड़ा

शरारती तत्वों के खिलाफ कठोरतम कार्यवाही संबंधित अभियान अंतर्गत एएसपी सौम्या जैन एवं एसडीओपी संजय सिंह बैंस के मार्गदर्शन में क्षेत्र की पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है।

इसी क्रम मे युवती के घर में घुसकर मारपीट, तोड़फोड़ एवं गाली गलौच करने करने वाले आरोपी भूरे सिंह पिता मोहनलाल प्रजापति उम्र 36 साल निवासी ग्राम धारुखेड़ी भौरासा को कमलापुर पुलिस ने महज 48 घंटो में गिरफ्तार कर किया।17 मार्च को आरोपी भूरे सिंह प्रजापत के विरुद्ध तलाक के पश्चात अलग होकर अपने माता-पिता के घर ग्राम इस्माइल खेड़ी रह रही युवती द्वारा शिकायत की गई थी कि वह घर पर अकेली थी और उसका पूर्व पति भूरे सिंह प्रजापत गाली गलौज करते हुए दबंगई के साथ घर में घुस आया और उसके साथ मारपीट की। घटना उपरांत थाना कमलापुर पर अपराध पंजीवद्द कर विवेचना में लिया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कमलापुर उप निरीक्षक सर्जन सिंह मीणा के नेतृत्व में तत्काल कार्यवाही करते हुए आरोपी भूरे सिंह प्रजापत की लगातार तलाश की गई। इसके उपरांत गुरुवार को आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। इस सराहनीय कार्य में थाना कमलापुर के प्र.आर. राजेंद्र शर्मा, कोर्ट मुंशी आरक्षक लोकेश मेहरा, आरक्षक विवेक गांगे की महत्वपूर्ण एवं प्रशंसनीय भूमिका रही।

नर्मदा परिक्रमा यात्री का किया आत्मीय अभिनंदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बागली

नगर के युवा पीयूष गुप्ता व सुमित खुबानी द्वारा स्वप्रेरणा से 3 हजार किलोमीटर से अधिक की परिक्रमा 111 दिन में पूर्ण कर नगर में आगमन हुआ। इस अवसर पर कालिका मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्ग से नागर चित्तौड़ा धर्मशाला तक स्वागत यात्रा का निकाली गई। अभिभाषक संघ, जलेश्वर महादेव मंदिर सेवा समिति बरझाई, अभिव्यक्ति मंच, शिक्षक संघ,अली अखाड़ा, नूरी अंजुमन इस्लामिया कमेटी, व्यापारी संघ,जैन समाज, बोहरा समाज, राठौर समाज आदि द्वारा आत्मीय अभिनंदन किया गया।मुख्य समारोह नागर चित्तौड़ा धर्मशाला में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के अवसर पर प्रवीण चौधरी, सैयद कासम अली,शोभा गोस्वामी, सुर्य प्रकाश गुप्ता, मुकेश गुप्ता, अनुराग गुप्ता, श्यामा तोमर, सरोज जौहरी, जितेन्द्र चावड़ा आदि ने सफल धार्मिक यात्रा पर बधाई दी। समारोह का संचालन वारिस अली ने किया तथा आभार कैलाश गुप्ता ने माना।

खाकी में आध्यात्मिक शांति का संचार: औद्योगिक थाने पहुंचे विश्वविख्यात दाजी

30 मिनट ध्यान कठिन ड्यूटी के लिए मानसिक कवच: दाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ देवास

पुलिस के लिए चैत्र नवरात्र पहला दिन गुरुवार विशेष और प्रेरणादायक रहा, जब विश्वविख्यात आध्यात्मिक गुरु कमलेश डी. पटेल 'दाजी' पहली बार थाना औद्योगिक क्षेत्र पहुंचे। उनके आगमन ने खाकी वर्दी में सेवा दे रहे पुलिसकर्मियों के भीतर एक नई ऊर्जा और मानसिक संतुलन का संचार किया।यह आयोजन पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना एवं पुलिस महानिरीक्षक रुचि वर्धन के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

वहीं पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयवीर सिंह भदौरिया, नगर पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल एवं थाना प्रभारी शशिकांत चौरसिया के समन्वय से कार्यक्रम को सफल बनाया गया।फरवरी 2025 में मध्यप्रदेश पुलिस और हार्टफुलनेस संस्थान के बीच हुए ऐतिहासिक एमओयू के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर यह आयोजन विशेष महत्व का रहा। इस पहल के अंतर्गत प्रदेश के सभी थानों में प्रत्येक रविवार सुबह 10 बजे ध्यान और तनावमुक्ति सत्र आयोजित किए जाते हैं।दाजी ने पुलिसकर्मियों को संबोधित करते हुए बताया कि सप्ताह में 30 मिनट का ध्यान पूरे सप्ताह की ड्यूटी के लिए मानसिक कवच का कार्य करता है। उन्होंने गहन मेडिटेशन सत्र के माध्यम से उपस्थित पुलिस बल को मानसिक संतुलन, भावनात्मक नियंत्रण और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने के गुर सिखाए। कार्यक्रम के दौरान दाजी ने पुलिसकर्मियों से संवाद कर उन्हें जीवन में शांति, संयम और सहानुभूति के महत्व को समझाया। कहा कि जब पुलिस भीतर से शांत होंगे, तभी वे जनता की समस्याओं को बेहतर ढंग से समझ पाएंगे। इस अवसर पर थाना परिसर में पौधारोपण भी किया गया, जो पर्यावरण संरक्षण और आंतरिक शांति के बीच गहरे संबंध का प्रतीक बना।

वर्ष प्रतिपदा के अवसर पर विक्रमोत्सव का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ देवास

मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से सृष्टि आरंभ दिवस, वर्ष प्रतिपदा के अवसर पर गुरुवार को विक्रमोत्सव 2026 का आयोजन मल्हार स्मृति मंदिर में किया गया।

इस अवसर पर एडमायर सोसाइटी फॉर थियेटर कल्चरल एंड वेलफेयर सोसायटी भोपाल के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक स्वरूप में सम्राट विक्रमादित्य केंद्रित नाट्य का मंचन किया गया। सूर्य उपासना कार्यक्रम अंतर्गत नगर के प्रमुख मंदिरों एवं स्थलों पर ब्रम्हध्वज स्थापित किए गए।

कार्यक्रम में महापौर गीता अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष लीला अटारिया, विधायक प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, अपर कलेक्टर शोभाराम सोलंकी, परियोजना अधिकारी एवं आयोजन की नोडल स्मिता रावल, उपायुक्त आरती खेड़कर एवं जिला शिक्षा अधिकारी हरिसिंह भारती सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारीगण तथा नागरिकगण उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

मंत्री परमार ने किए मां बगलामुखी के दर्शन

नलखेड़ा। मंत्री इंदर सिंह परमार ने शुक्रवार को आगर-मालवा जिले के नलखेड़ा पहुंचकर मां बगलामुखी मंदिर में दर्शन किए। मंत्री परमार ने मंदिर में विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। मंत्री परमार ने ग्राम टीकोन में भगवान बाबा रामदेव के भी दर्शन किए गए। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष ओम मालवीय, कैलाश कुंभकार, दिलीप सकलेचा, रोहित सकलेचा, विजय सोनी आदि उपस्थित रहे।

शिविर में 141 मरीजों की जांच, 23 का ऑपरेशन के लिए किया चयन

नलखेड़ा। सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट आनंदपुर एवं सरदार पटेल युवा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम गुदरावन में नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन पाटीदार धर्मशाला गुदरावन में शुक्रवार को हुआ। जिसमें 141 मरीजों की आंखों की जांच की गई, जिनमें से 23 मरीजों का चयन मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए किया गया। ऑपरेशन के लिए चयनित मरीजों को बस द्वारा आनंदपुर ले जाया गया।

विधायक इंजीनियर ने ग्राम मुगली से शुरू किया जलगंगा संवर्धन अभियान

सालों पुरानी प्राचीन बाबड़ी को सुरक्षित और संरक्षित करने जनसहयोग से हुई शुरुआत

अभियान के तहत नदियों, तालाबों और बावड़ियों जैसे नए और वर्षों पुराने जल स्रोतों को पुनर्जीवित, स्वच्छ और संरक्षित करना ही इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य।

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशानुसार विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने आष्टा जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत मुगली से जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया। उक्त अभियान के तहत नदियों, तालाबों और बावड़ियों जैसे नये ओर वर्षो पुराने जल स्रोतों को पुनर्जीवित, स्वच्छ और संरक्षित करना ही इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। ग्राम मुगली पहुंचे विधायक गोपालसिंह इंजीनियर, जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सोनू गुणवान का ग्राम पंचायत के सरपंच ज्ञानसिंह ठाकुर, सतीश सोनानिया, बिक्रमसिंह ठाकुर, जनपद पंचायत के गोविंद शर्मा, महेंद्र तिवारी सहित सभी ग्रामीणजनों, जनप्रतिनिधियों ने विधायक का स्वागत सम्मान कर सभी ने एक दूसरे को नव वर्ष गुड़ी पड़वा की बधाई शुभकामनाएं दी।

ग्राम के मंदिर के समक्ष गुड़ी पड़वा पर केसरिया ध्वज भी फहराया गया। गुड़ी पड़वा से जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारम्भ ग्राम मुगली की वर्षो पुरानी बाबड़ी को जन सहयोग से साफ,स्वच्छ, और संरक्षित करने के अभियान का शुभारंभ बाबड़ी की मिट्टी खुदाई कर गहरी ओर साफ करने के कार्य से शुभारम्भ किया। इस अवसर पर विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने अपने संबोधन में कहा की मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में उक्त जल गंगा संवर्धन अभियान का आज से प्रदेश के सभी स्थानों पर हुआ है । इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यह है की हमारे सभी जल स्रोतों का कायाकल्प हो, अमृत सरोवर, पुराने तालाबों, कुओं और बावड़ियों का जीर्णोद्धार जन सहयोग से किया जाए। इस अभियान के तहत नदियों और जल निकायों में सीधे कचरा और पूजा सामग्री डालने पर रोक लगाना और घाटों की सफाई करना, जल चौपाल, स्कूल रैलियां, दीवार लेखन,और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से आम जनता को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। यह कार्य हम सब जिसमे हमारी सरकारी मशीनरी के साथ जनभागीदारी को भी सुनिश्चित करते हुए जल स्रोतों के आसपास स्वच्छता के साथ श्रमदान करना भी शामिल होगा। विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने बताया की उक्त अभियान जो गुड़ी पड़वा नव वर्ष से शुरू हुआ है वो 30 जून तक चलेगा।

नरवाई जलाने की घटनाओं की सैटेलाइट से निगरानी

नरवाई जलाई तो किसानों पर लगेगा जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ⏭ जावर

राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण एवं पर्यावरण विभाग के निर्देशों के तहत फसल कटाई के बाद नरवाई जलाना प्रतिबंधित है, क्योंकि इससे मिट्टी की उर्वरक क्षमता नष्ट होती है और वायु प्रदूषण फैलता है। नरवाई जलाने से मनुष्य एवं पशुओं के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। एनजीटी के निर्देशों के तहत, राज्य प्रशासन नरवाई जलाने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई और पर्यावरण क्षतिपूर्ति शुल्क (जुर्माना) वसूलने के लिए प्रतिबद्ध है। इसलिए कलेक्टर जिला सीहोर द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत नरवाई जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है।

नरवाई जलाने पर 2 एकड़ से कम भूमि पर रूपये 2,500 प्रति घटना, 2 से 5 एकड़ तक भूमि पर रूपये 5,000 प्रति घटना एवं 5 एकड़ से अधिक भूमि पर रूपये 15,000 प्रति घटना का जुर्माना लगाये जाने का प्रावधान है। तहसीलदार जावर ओमप्रकाश चोरमा द्वारा बताया गया कि मध्य प्रदेश सहित देश भर में रबी फसल की कटाई के बाद नरवाई (फसल अवशेष) जलाने की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए सैटेलाइट के माध्यम से नरवाई जलाने की घटनाओं की निगरानी की जा रही है। सैटेलाइट से प्राप्त डेटा के अनुसार जिलावार, तहसीलवार एवं ग्रामवार प्रतिदिन नरवाई जलाने संबंधी आंकड़े रिकॉर्ड किए जा रहे हैं। सैटेलाइट से प्राप्त डेटा से आग की लोकेशन (अक्षांश-देशांतर) को रियल टाईम में ट्रेक करती है। ग्राम स्तर पर राजस्व विभाग, कृषि विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, उद्यानिकी विभाग, पशु चिकित्सा विभाग आदि के कर्मचारियों को पाबंद किया गया है। अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आग लगने की घटना के मोबाईल पर मैसेज प्राप्त होते है, जिससे आग की घटना की सटिक लोकेशन पता चल जाती है।

इससे संबंधित किसानों के विरूद्ध कार्यवाही की जाना बहुत आसान हो गया है। अब नरवाई जलाने पर संबंधित किसान का कार्यवाही से बच पाना संभव नहीं है। सरकार किसानों को पराली न जलाने और कृषि अवशेषों के उचित प्रबंधन के लिए प्रोत्साहित कर रही है। किसानों को नरवाई जलाने के दुष्परिणाम (मिट्टी की उर्वरता में कमी, प्रदूषण, स्वास्थ्य पर असर) के बारे में जागरूक किया जा रहा है। ग्राम स्तर मुनादी, शिविर, रैली और प्रशिक्षण आयोजित कर प्रचार प्रसार किया जा रहा है।

कृषि विभाग और वैज्ञानिकों द्वारा उन्नत तकनीकों की जानकारी दी जाती है। हैप्पी सीडर, सुपर स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम, रोटावेटर, मल्चर जैसी मशीनों पर सब्सिडी दी जा रही है। कस्टम हायरिंग सेंटर के माध्यम से छोटे किसानों को किराए पर मशीन उपलब्ध कराई जा रही है। नरवाई से जैविक खाद (कम्पोस्ट), बायोगैस, पैकेजिंग सामग्री, और पशु चारा बनाने को प्रोत्साहित किया जा रहा है। कृषि विभाग और वैज्ञानिकों द्वारा उन्नत तकनीकों की जानकारी दी जा रही है। तहसीलदार ओमप्रकाश चोरमा द्वारा किसानों से अपील की है कि वे नरवाई ना जलायें और नरवाई प्रबंधन को अपनायें। नरवाई ना जलाना न केवल किसानों के हित में है वरन पर्यावरण सुरक्षा के लिये भी आवश्यक होने के साथ-साथ हमारा नैतिक दायित्व भी है।

भगवान झूलेलाल के बताए मार्ग पर चलते हुए सिंधी समाज ने भारत का नव निर्माण किया:कैलाश परमार

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

पूज्य सिंधी पंचायत के तत्वावधान में भगवान झूलेलाल के 1076 वें प्रकाश पर्व (चेती चांद) के अवसर पर नगर में श्रद्धापूर्वक जुलूस निकाला गया। जुलूस नगर के मुख्य मार्गों से होता हुआ पूरे उत्साह और भक्ति भाव के साथ सम्पन्न हुआ। बड़ा बाजार क्षेत्र में पूर्व नपाध्यक्ष कैलाश परमार एवं उनके मित्रमंडल द्वारा जुलूस का आत्मीय स्वागत किया गया। इस दौरान जुलूस में शामिल महिलाओं एवं पुरुषों को त्याग और आस्था के प्रतीक भगवा दुपट्टे पहनाकर सम्मानित किया गया।

जुलूस का नेतृत्व सिंधी समाज के अध्यक्ष सुशील भोजवानी, सिंधी युवा संगठन के अध्यक्ष रणजीत अरोरा एवं वरिष्ठ समाजसेवी मनोहर भोजवानी एवं वरिष्ठजन द्वारा किया गया। शोभायात्रा में सुसज्जित बेदी में विराजित वैराणा साहब की विधिवत पूजा-अर्चना पूर्व नपाध्यक्ष कैलाश परमार एवं प्रभु प्रेमी संघ के महासचिव प्रदीप प्रगति द्वारा की गई। इस अवसर पर पूर्व नपाध्यक्ष कैलाश परमार ने भगवान झूलेलाल की महिमा का गुणगान करते हुए कहा कि "भगवान झूलेलाल सिंधी समाज की आस्था के केंद्र हैं, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी समाज को एकता, साहस और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। सिंधी समाज ने अपने परिश्रम और स्वाभिमान के साथ त्याग और बलिदान की मिसाल कायम करते हुए देश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है सिंधी समाज ने अत्यंत विपरीत स्थितियों में भी भारत की भूमि को अंगीकार किया उन्हें इसके लिए कई त्याग और बलिदान करना पड़े" उन्होंने समस्त नागरिकों को चेती चांद पर्व की शुभकामनाएं भी दीं। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी प्रेमनारायण शर्मा, प्रभु प्रेमी संघ के महासचिव प्रदीप प्रगति, विजय जैन किला, युवा एडवोकेट पल्लव जैन प्रगति एवं गणेश सोनी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने जुलूस में शामिल श्रद्धालुओं का स्वागत कर पर्व की गरिमा को और बढ़ाया। भगवान झूलेलाल के जयकारों और भक्ति गीतों से गुंजायमान जुलूस का समापन स्थानीय गणेश मार्केट स्थित गुरुद्वारे पर हुआ।

मनीष शर्मा देवनारायण गोशाला के व्यवस्थापक किए गए मनोनीत

कानड़। अखिल भारतीय परशुराम सेवा के राष्ट्रीय महासचिव एवं समाज सेवी, भाजपा कार्यकर्ता मनीष शर्मा को नगर की देवनारायण गोशाला के अध्यक्ष कन्हैयालाल परमार ने देवनारायण गोशाला का व्यवस्थापक मनोनीत किया। गौशाला के पदाधिकारी और सदस्यों द्वारा उनसे निस्वार्थ भाव से गो सेवा का कार्य करने की अपेक्षा करते हुए उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की।

बड़ा बाजार में शुद्ध पानी के प्याऊ का किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

भीषण गर्मी में पानी के लिए परेशान राहगीरों को शुद्ध व शीतल पेयजल उपलब्ध कराये जाने के लिए भाजपा नगर महामंत्री मोहित सोनी ने प्याऊ का शुभारंभ किया है। मोहित सोनी नगर महामंत्री भाजपा आष्टा ने अपने बड़ा बाजार स्थित निवास पर शुद्ध पेयजल प्याऊ का शुभारंभ किया। इस दौरान वरिष्ठ समाजसेवी गोपाल जी परमार, निर्मल जी रांका, विधान जी श्रीमोढ, स्नेहलता रूणवाल(शीतल स्वीट्स), बाबू जी देव्वाल, कमलेश जी वोहरा, तरुण जी चतुर्मुथा, विजय जी जैन, निलेश जी शर्मा, सौरभ जी (शीतल), रतन जी मालवीय मौजूद रहे। भाजपा के नगर महामंत्री मोहित सोनी कहा कि गर्मी के मौसम में प्यास ज्यादा लगती है और राहगीरों को शुद्ध व शीतल पानी की समस्या से जूझना पड़ता है। राहगीरों एवं आसपास के लोगों की प्यास बुझाने का कार्य निःस्वार्थ भाव करना हमारा उद्देश्य हैं।

स्वर्णकार समाज महिला मंडल ने निकाला गणगौर का चल समारोह

नलखेड़ा। स्वर्णकार समाज महिला मंडल ने गणगौर का चल समारोह निकाला। चल समारोह सांय 4 बजे श्री संतोषी माता मंदिर से प्रारंभ स्वर्णकार धर्मशाला पहुंचा जहां समापन हुआ। चल समारोह का समाज बंधुओं ने अपने निवास व प्रतिष्ठान पर पानी, आइसक्रीम, ठंडा पेय आदि अन्य से स्वागत किया। चल समारोह में छोटे बालक बालिका को दूल्हा दुल्हन बनाया गया था तथा महिलाओं द्वारा गणगौर सिर पर धारण कर ढोल धमाके और बैंड बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली गई। चल समारोह के समापन के बाद स्वर्णकार धर्मशाला में महिलाओं और बालिकाओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उसके उपरांत समाज के सहभोज का आयोजन किया गया।

गणगौर पर्व: सोलह श्रृंगार कर महिलाओं ने निकाला चल समारोह

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

अग्रवाल और माहेश्वरी, स्वर्णकार मंडल द्वारा गणगौर का उत्सव जोड़ शोर से मनाया गया। गणगौर के उत्सव को सिंजारे के रूप में मनाया जाता है। जिसमे सभी बड़ी, बुजुर्ग, बहु, बेटियों को सिंजारा देते हैं बहू बेटी और सभी सुहागन महिलाएं सोलह श्रृंगार कर बाग बगीची में गणगौर माता की पूजा करती आ रही है। शुक्रवार को स्वर्णकार समाज महिला मंडल द्वारा गणगौर उत्सव चल समारोह का आयोजन किया गया। यह आयोजन अध्यक्ष सरोज सोनी, संयोजक सुनीता सोनी के तत्वाधान में संपन्न किया।

इस समारोह में विभिन्न समाज की महिलाएं सम्मिलित हुई। चल समारोह अग्रवाल पंचायत से प्रारंभ होकर सराफा बाजार और मुकेरी लाइन से होते हुए गांधी पार्क में पहुंचा। पर स्वर्णकार समाज, अग्रवाल और माहेश्वरी समाज महिला मंडल की महिलाओं ने माता गणगौर को झाले देते हुए पारंपरिक गीत गाए। इसी के साथ ही कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। गणगौर पर्व का आयोजन स्वर्णकार समाज महिला मंडल के द्वारा कई सालों से किया जा रहा है। हर साल की तरह इस साल भी चल समारोह स्वर्णकार समाज की महिलाओं द्वारा बड़े धूमधाम और जोर-जोर से आयोजित किया गया। इस समारोह में शहर के विभिन्न समाज की महिलाएं आकर्षक और पारंपरिक वेशभूषा में नजर आई।

महिलाओं ने निभाई सिंजारा की परंपरा

गणगौर से एक दिन पहले मनाया जाने वाला 'सिंजारा' विवाहित महिलाओं और बेटियों के लिए मायके से आने वाला एक पारंपरिक उपहार उत्सव है। इसमें सुहाग की सामग्री, जैसे मेहंदी, घेवर, नए कपड़े, गहने और श्रृंगार का सामान भेजा जाता है। महिलाएं इस दिन मेहंदी रचाती हैं, सजती-संवरती हैं और गणगौर माता की पूजा के लिए खुद को तैयार करती हैं। शुक्रवार को भी महिलाओं ने सिंजारा की परंपरा निभाई।

ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों को सशक्त बनाने क्षमता वर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ कानड़

मप्र जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में गुरुवार को ब्लॉक आगर के सेक्टर कानड़ अंतर्गत ग्राम कोलुखेड़ी स्थित शिवतोड़ा मंदिर परिसर में ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के सदस्यों का क्षमता वर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सहारा आदर्श ग्राम विकास समिति, बटावदा द्वारा किया गया।

प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य समिति सदस्यों को ग्राम विकास, जल संरक्षण, जैविक कृषि, स्वावलंबन एवं समितियों के प्रभावी संचालन के संबंध में व्यवहारिक जानकारी प्रदान करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. देवनारायण गौड़ कानड़ उपस्थित रहे। जबकि मुख्य वक्ता मंदिर अध्यक्ष रामनाथ सिंह सोलंकी रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में समाज सेवी दारा सिंह आर्य ने प्रशिक्षण की भूमिका प्रस्तुत करते हुए इसके उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से ग्राम स्तर पर समितियों की कार्यक्षमता में वृद्धि होती है। साथ ही प्रस्फुटन नवा अंकुर समितियों को किस तरह से अपने कार्य करना चाहिए उस पर भी जोर दिया। आम जन ओर शासन की बीच की कड़ी हे जन अभियान परिषद की समिति को बताते हुए। अपनी बात कही।

प्रशिक्षण के दौरान डॉ. नारायण सिंह बगाना ने जन अभियान परिषद की संरचना, समितियों के कार्य, दस्तावेजीकरण, अभिलेख संधारण एवं सक्रियता बनाए रखने के उपायों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के बारे में भी बताया। मंदिर समिति अध्यक्ष रामनाथ सिंह सोलंकी ने जल संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि वर्तमान समय में पौधारोपण के साथ-साथ उनके संरक्षण पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। नियमित सिंचाई एवं जल बचत के उपाय अपनाकर ही ग्राम को हरित बनाया जा सकता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. देवनारायण गौड़ ने जैविक खेती के महत्व को बताते हुए कहा कि इससे भूमि की उर्वरता बनी रहती है और स्वास्थ्य भी सुरक्षित रहता है। इस लिए जैविक खेती कार गर सिद्ध हे। वही उपभोक्ता संगठन के जिला अध्यक्ष संतोष शर्मा ने भी अपने विचार रखे। समिति के श्याम पाटीदार ने स्वावलंबन पर अपने विचार रखते हुए कहा कि हमारे पूर्वज आत्मनिर्भर थे और गांव की व्यवस्था ऐसी थी कि अधिकांश आवश्यकताएं स्थानीय स्तर पर ही पूरी हो जाती थीं। कार्यक्रम में 5 प्रस्फुटन समितियों के सदस्य, 4 अतिथि एवं 5 बीएसडब्ल्यू, एमएसडब्ल्यू छात्र उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।